



03BB 187931

विक्रय पत्र

विक्रय पत्र अंकन : 22.04.895 / रूपये ।
स्टाम्प पेपर अंकन : 2,20,500 / रूपये ।

मैं/हम कि प्रहलाद पुत्र श्री चन्दु निवासी ग्राम दुरवाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर (फरीक अवल/विकेता/विकेतागण) ।

एवम

श्री ब्रिजेश कुमार पुत्र श्री तारा निवासी ग्राम दुरवाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर (फरीक दोयम/केता) ।

22/04/89

विजयें अस्माट

Telendra
Advocate
Ch. No-257, Civil Court,
GHATAJABA

Telendra Singh
Advocate
Ch. No-257, Civil Court,
GHATAJABA

काशीवाट टप कोषागार

दादरी

28 JUL 2006

दस्तावेज नं० 28/6 का. 11/11/06
स्थान नं० 28/6 का. 11/11/06
व्य. रोहड़िया

श्रीगुरुजी देवता श्रीगुरुजी

पु. 28/6/06 श्रीगुरुजी देवता

2204/01957-50007-

काशीवाट टप कोषागार

दस्तावेज नं० 28/6 का. 11/11/06

स्थान नं० 28/6 का. 11/11/06

व्य. रोहड़िया

दस्तावेज नं० 28/6 का. 11/11/06

स्थान नं० 28/6 का. 11/11/06

व्य. रोहड़िया

दस्तावेज नं० 28/6 का. 11/11/06

28/6/06

काशीवाट टप कोषागार एवं इसमें निम्न

जम्मादल नं० 2-2-04/01957-50007-50007-

विक्रय में

व्य. रोहड़िया

पु. 28/6/06 श्रीगुरुजी देवता

पु. 28/6/06 श्रीगुरुजी देवता





0388 187932

(2)

विक्रीत भूमि का विवरण

स्थित ग्राम दुरथाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर (उ०प्र०), कृषि भूमि खाता नं० 137 के खसरा नं० 23 रकबई 0.7970 हैक्टेयर का 2/3 भाग अर्थात् रकबई 0.5313 हैक्टेयर ।

1. विक्रीत भूमि कृषि भूमि है तो किसी भी मुख्य मार्ग अथवा लिंक मार्ग पर स्थित नहीं है भूमि मुख्य मार्ग से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है तथा संक्रमणीय भूमिधरी की भूमि है जिसका सरकारी सर्किल रेट 11,00,000/-रुपया प्रति हैक्टेयर लेकिन इस विक्रय पत्र में सर्किल रेट से अधिक रुपया 41,50,000/-रुपया प्रति हैक्टेयर की दर से अंकन 22,04,895/- रुपये (बाईस लाख चार हजार आठ सौ पचानवें रूपए मात्र) मूल्य पर सरकारी स्टाम्प अदा किया गया है

प्रस्ताव

विक्रीत भूमि



कार्यालय उप कोषाध्यक्ष
लखनऊ
28 JUL 2006
सदस्य सं० 27, भा० 13 काय
स्थापित मं० 34, नं० कार्यालय किया गया
उप. रोहतास

१. अभिहित मुक्ति पेटी
 २. अभिहित मुक्ति पेटी
 ३. अभिहित मुक्ति पेटी
 ४. अभिहित मुक्ति पेटी
 ५. अभिहित मुक्ति पेटी
 ६. अभिहित मुक्ति पेटी
 ७. अभिहित मुक्ति पेटी
 ८. अभिहित मुक्ति पेटी
 ९. अभिहित मुक्ति पेटी
 १०. अभिहित मुक्ति पेटी

2017/06

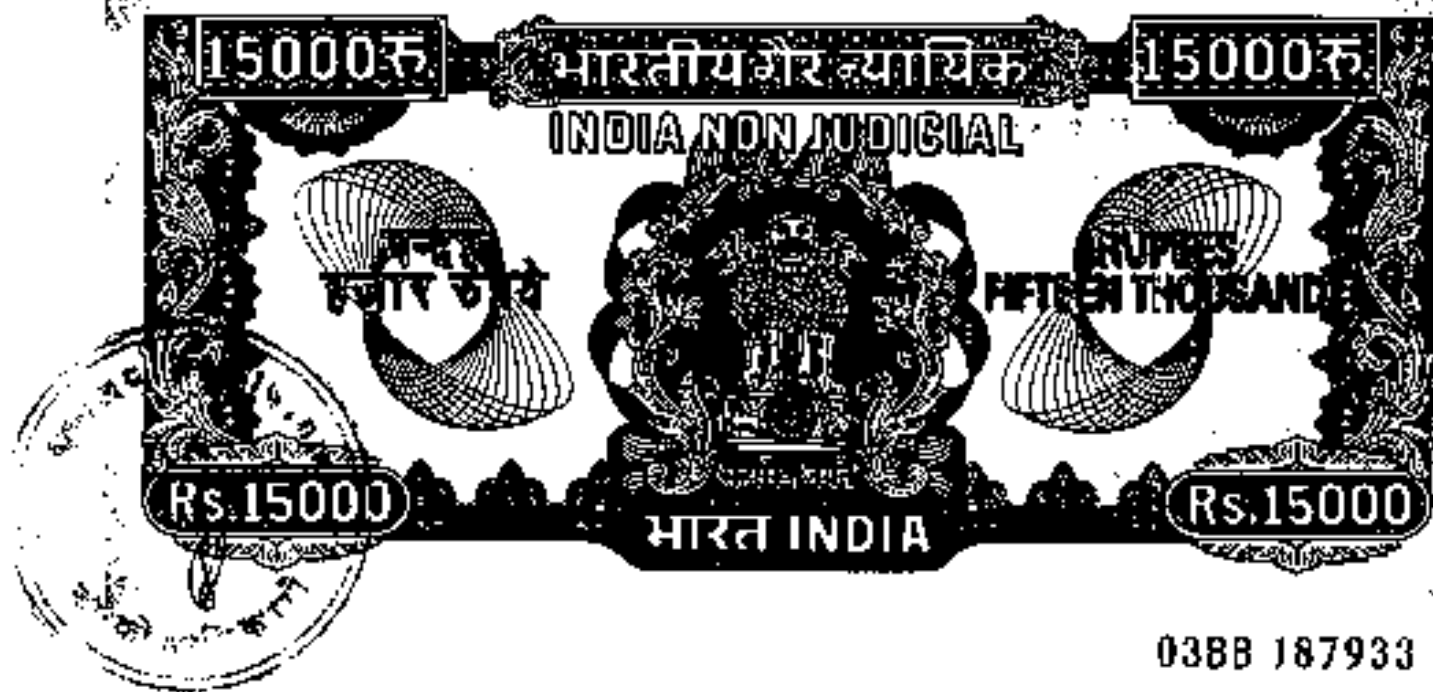
அகில உலகம்

320112



जहाँ जहाँ प्रतीत होते हैं सिद्ध
 अथवा निम्नलिखित सिद्ध

28/7/06



- (3)
2. विक्रेता अनुसूचित जाति का है। विक्रेता ने इस आशय क श्रीमान तहसीलदार महोदय से यह प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है कि वह अनुसूचित जाति से/का है ।
 3. यह कि विक्रीत भूमि ग्राम समाज पट्टे की भूमि थी जिसका विक्रेता (फरीक अव्वल) संक्रमणीय भूमिधर हो चुका है । इस पर कोई किसी प्रकार का विवाद नहीं है ।

प्रस्ताव

किरीश कुमार

कार्यालय उप कोषागार
 बवली
 २२/१/२०१६
 मद्रास नं. २७ का. १५ बिद
 लार्ड नं. २६ का. १५ बिद
 लार्ड, रामगढ़





(4)
4. विकीत भूमि कृषि भूमि है जिसके विक्रय में स्वाम्य अधिनियम की धारा 27(1) का सत्यतापूर्वक अनुपालन किया गया है ।

प्रमाणित

दिनांक 25/11/2019

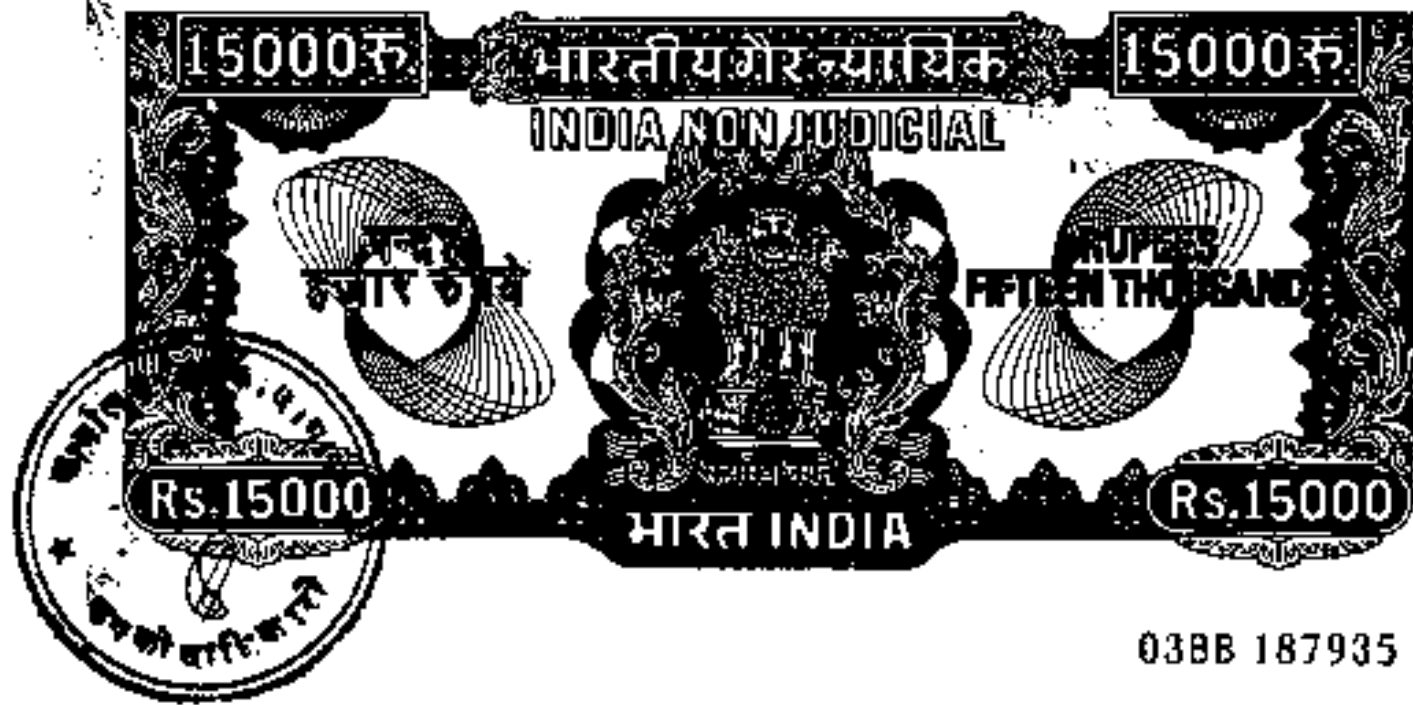


कार्यालय उप कोषागार
बादरी

28 JUL 2006

स्टाफ नं० ३१ को १०० नाम
स्थाप नं० २६ में शामिल किया गया
उप. रोहाड़ा





(5)

5. यह कि उपरोक्त विकीत भूमि का पूर्व में मौखिक इकरारनामा भी दोनों पक्षों के बीच हुआ था तथा विक्रय पत्र लिखे जाने की मौखिक सहमति हुयी थी जिसके अनुपालन में वर्तमान विक्रय पत्र का निष्पादन किया जा रहा है । तत्समय विक्रेता/विक्रेतागण/फरीक अखिल ने क्रेता से पेशगी में बजरिये सिंडीकेट बैंक, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, का चेक नम्बर 222713 दिनांकित 15.10.2005 अंकन 1,89,000/-रुपये (एक लाख नवासी हजार रुपए मात्र) तथा नगद 37,800/-रुपये (सैंतीस हजार आठ सौ रुपए मात्र) दिनांक 15.10.2005 प्राप्त कर लिये थे ।

५२८१२

किरीश कुमार

कार्यालय उप कोषागार
 बाबरी

१२/११/२०१०

व्यवस्थापक सं. ३० का. ११/११/२०१०
 स्थापन नं. ३०/११/२०१० में शामिल किया गया
 उप. लेखापदा





03BB 187936

(8)

8. विक्रीत भूमि उक्त आज दिन तक मुझ / हम फरीक अक्कल (विक्रेता/विक्रेतागण) की ओर से हर प्रकार के बंधक भार व सरकारी देनदारी, इकरारनामा, विक्रय, वसीयत

प्रह्लाद



विजय कुमार



काशीनाथ उष कोषागार
बामरी
 28 3/4
 प्रमाण नं. (3) को. नाम
 प्रमाण नं. 6 को. नाम
 उप. रोकड़िया





(7)

आदि दोनों से मुक्त है कही अन्य जगह आड, रहन बय, हिबै महायदाबय व जमानत सरकारी व अर्द्ध सरकारी व निजि रूप से ग्रस्त नहीं है और न ही इस बाबत कोई मामला किसी न्यायालय/कार्यालयों में विचाराधीन है ।

प्रहलाद

विजेश कुमार



कार्यालय उप कोषागार
 कादरी
 १०
 नं. १०२२ के. १०२२
 नं. १०२२ के. १०२२
 उप. कोषागार





(8)

7. मुझ/हम विक्रेता/विक्रेतागण को विक्रय पत्र में वर्णित उक्त खाता नं० 137 के खसरा नं० 23 रकबई 0.7970 का 2/3 भाग अर्थात् रकबई 0.5313 हैक्टेयर, स्थित ग्राम दुर्याई परगना व तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर के अपने हिस्से के पूर्ण भाग को बेचने का स्वतन्त्र अधिकार पूर्णतः प्राप्त है मुझ विक्रेता को वास्ते तरक्की

प्रह्लाद

विक्रेतागण



कोचिलाय ७५ को.स.स.स.
 बन्दारी
 २३
 नमूना नं० ३३ को.स.स.स.
 स्थापन सं० ७५ को.स.स.स. को.स.स.स. को.स.स.स.
 वर्ष, रोड/द्वारा





03BB 187939

(9)

काश्त एवं अन्य निजि आवश्यकताओं हेतु रुपयों की आवश्यकता है तथा मुझे अपनी उक्त भूमि की उचित कीमत केता से मिल रही है जो स्वयं भी अनुसूचित जाति से है । अतः मुझ विक्रेता ने अपनी खुशी से बिना किसी दबाव व धमकाव के बरजामंदी, शुद्ध बुद्धि व स्वस्थ इन्द्रियों की दशा में समस्त मालिकाना, काबिजाना, अधिकार जो कुछ भी मुझ विक्रेता को विक्रीत भूमि से प्राप्त थे आदि आदि को आज की तारीख में विक्रय

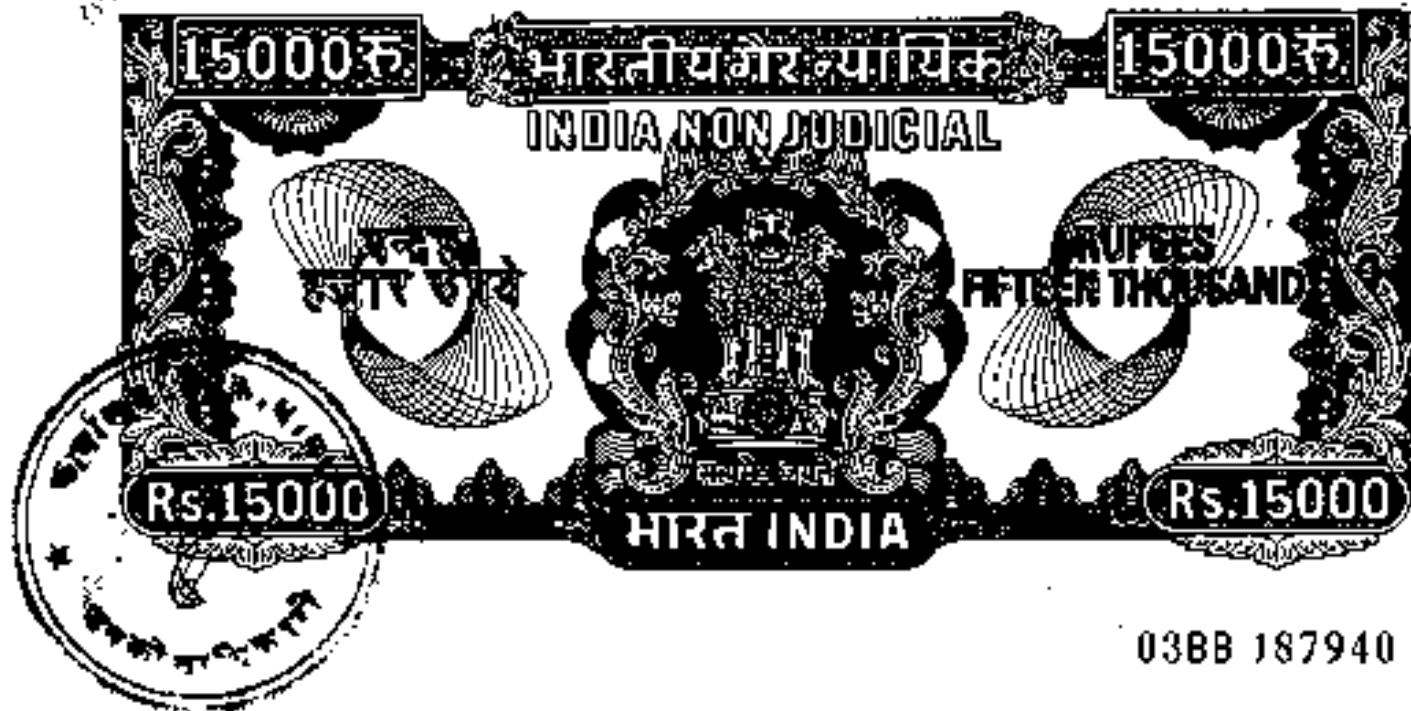
प्रस्ताव

विक्रेता, श्री मोहन



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्री गणेशाय नमः
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 स्थापन सं० ३५ एच. ०. ०. ०. ०.
 स्थापन सं० ३६ में शामिल किया गया
 उप. योजना





038B 187940

(10)

धनराशि अंकन रूपया अंकन 22,04,895 रुपये (बाईस लाख चार हजार आठ सौ पिचानवें रूपए मात्र) जिसके आधे अंकन 11,02,447.50/- (ग्यारह लाख दो हजार चार सौ सैतालीस रूपए पचास पैसे मात्र) होते हैं, एवज में हाथ फरीक दोयम कंता उपरोक्त श्री ब्रिजेश कुमार पुत्र श्री तारा निवासी ग्राम दुसवाई परगना व तहसील दादरी जिला गीतम बुद्ध नगर को बय कर दिया है और भूमि की कुल विक्रय धनराशि में से अब शेष रकम अंकन 19,78,095/- (उन्नीस लाख अठहत्तर हजार पिचानवें रूपये मात्र) बजरिये बैंक नम्बर 011312 दिनांकित 28.07.2006 का पेंजाब नैशनल बैंक दयानन्द नगर गाजियाबाद के मुझ विक्रेता ने कंता से प्राप्त कर ली है और कोई धनराशि बाकी नहीं रहते है ।

प्रस्तावित

ब्रिजेश कुमार



25. 15. 1964





(11)

8. विकीत भूमि का कब्जा मौके पर केता का पूर्ण वास्तविक रूप से करा दिया जिसके केता पूर्णतः मालिक काबिज दाखिल बन गये है उनको सर्वथा अधिकार है कि वह उक्त भूमि से सम्बन्ध सुखाधिकारों सहित जिस प्रकार चाहे बहैसियत मालिकाना प्रयोग में लाये ।

प्रमाणित

दिनांक २०/११/८८



.....

36 15/11/2017
26 17/11/2017





03BB 187942

(12)

9. विकेंता, विकीत भूमि के बाबत समस्त कागजात में आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कराकर बजरिये बैनामा दाखिल खारिज मालकागजात में कराकर केंता का नाम दर्ज करवायेगा या वह स्वयं दर्ज करवा सकते हैं तथा आवश्यक प्रपत्रों पर जहाँ चाहे

५ हजार

दिनांक २५/७/८८



कार्यालय उप कोषागार
बादरी
28 JUL 2005
पत्रांक नं. 32 को. 11 नियम
सं. 2 के अन्तर्गत किया गया
उप. रो. 1/2/05



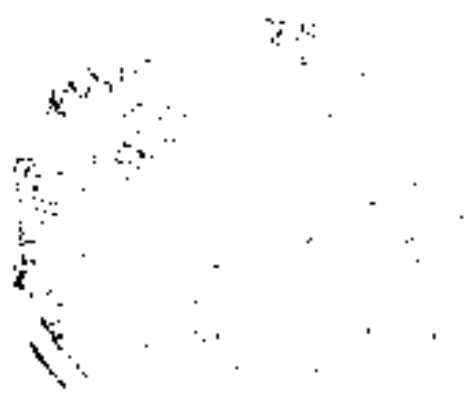


(13)

हस्ताक्षर मुझ फरीक अव्वल से करा सकते है, मुझ फरीक अव्वल को कोई एतराज नही होगा और न ही है । अब विक्रय पश्चात विक्रीत भूमि की मिल्कियत भूमि में निहित हित, व उसके मूल्य धन तथा किसी अंश से विक्रेता व वारिसान विक्रेता का कोई सम्बन्ध बाकी नहीं रहा है और न कभी रहेगा ।

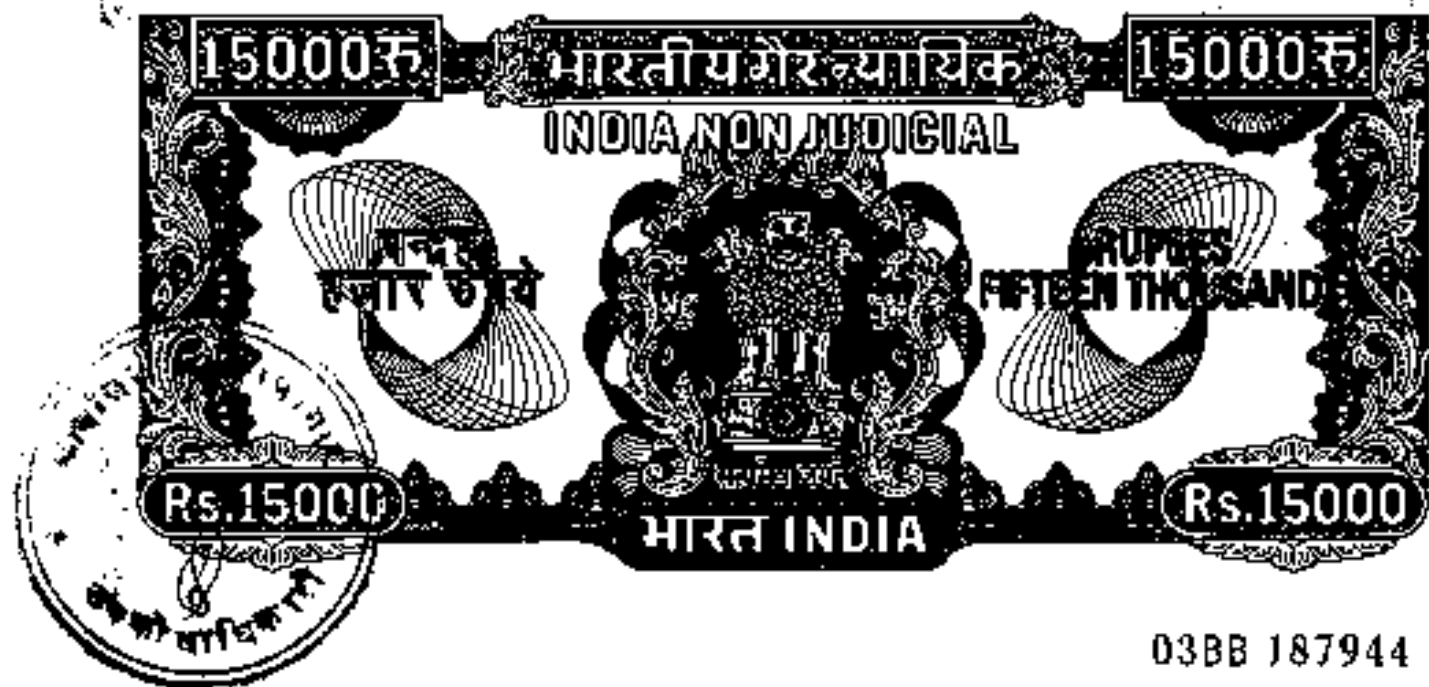
प्रमाण

विक्रीत भूमि



काशीलाल उग्र काशीधर
 बाली
 ३० अगस्त १९५८
 राज्य-३८ १५.१५.५८
 राज्य नं० ३८ १५.१५.५८
 उग्र नं० ३८ १५.१५.५८





(14)

10 विक्रीत भूमि पर आज दिन तक फरीक अव्वल / विक्रेता की ओर कोई भार निकला और निकला हुआ भार क्रेता या स्थापनापन को अपने पास से अदा करना पड़ा अथवा उसका कोई अंश क्रेता या उसके वारिसान या स्थापनापन के कब्जे से निकल जाये, तो हर ऐसी दशा के उत्पन्न होने पर फरीक अव्वल/विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे तथा पूर्ण अधिकार होगा कि अपने पास से अदा किये गये भार की तथा कब्जे से निकल जाने वाली भूमि की धनराशि को मय हरजे खर्चे प्रथम पक्ष विक्रेता व विक्रेता वारिसान की चल व अचल सम्पत्ति से जिस प्रकार चाहे वसूल करा सकते हैं जिस पर फरीक अव्वल/विक्रेता को कोई आपत्ति नहीं होगी।

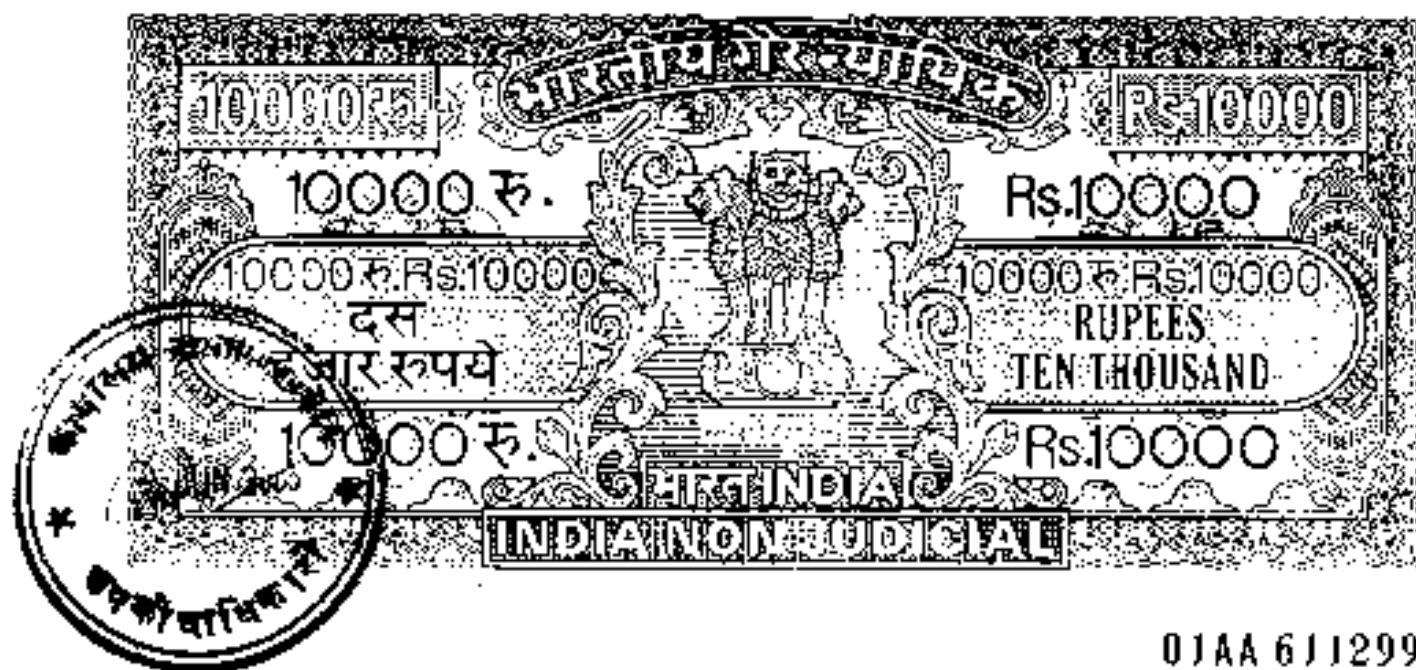
प्रस्तावित

विक्रेता का भार



३३९ २६४	३३९ २६४
---	---





01AA 611299

(15)

11. यह कि फरीक अव्वल ने विक्रित भूमि के स्वामित्व से सम्बन्धित सभी मूल दस्तावेज (वसीयत, मूल पट्टा व न्यायालय के अपेक्षित आदेशों की प्रमाणित प्रति आदि) तथा प्रमाणित खसरा, खतौनी, जाति, प्रमाण पत्र, तथा बारह साला जो विक्रेता के पास उपलब्ध हैं, उन्हें क्रेता को सौंप देगा।

12. विक्रय पत्र का समस्त खर्चा क्रेता ने वहन किया है।

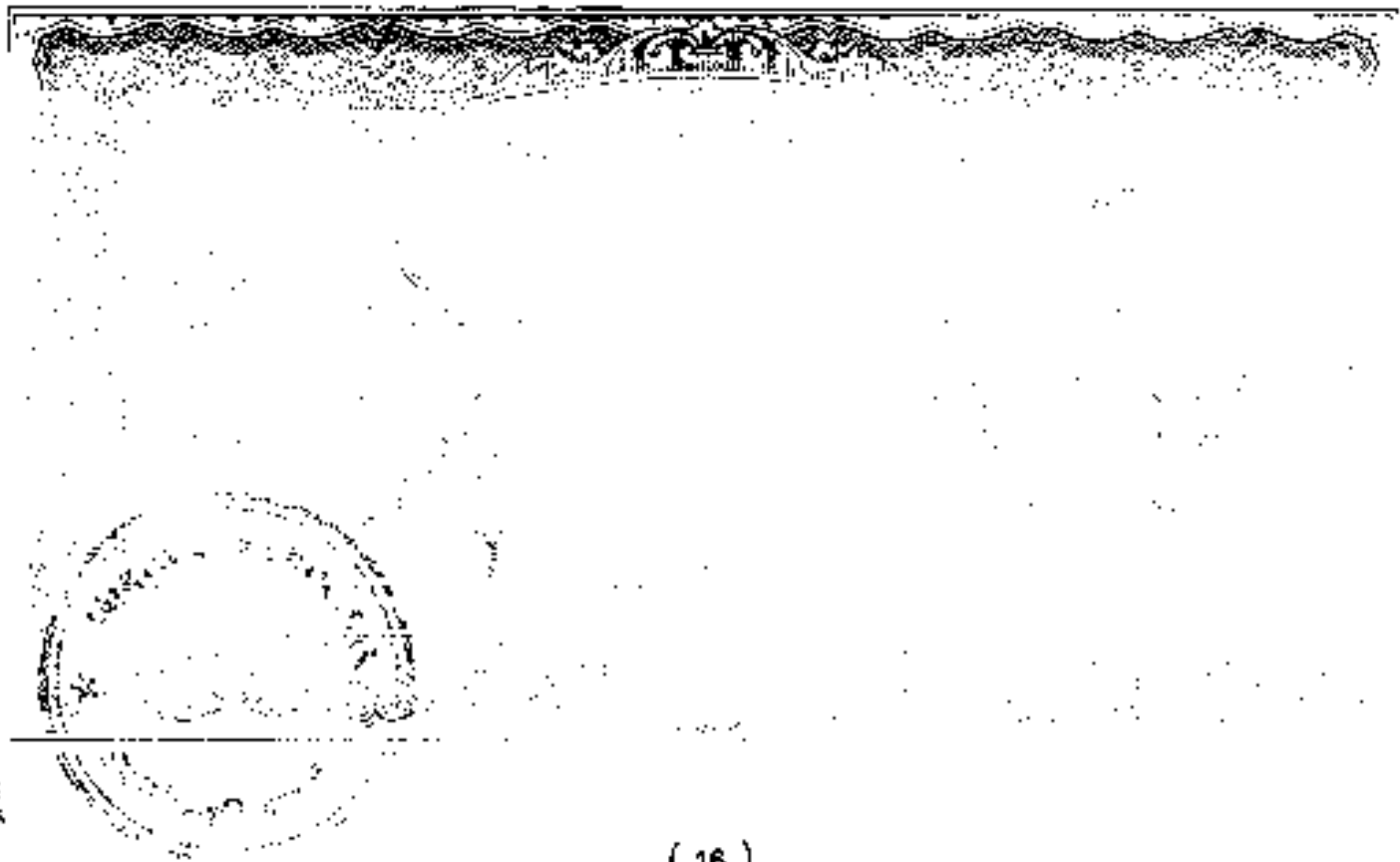
प्रस्ताव

विक्रेता द्वारा



माधवलाल उष मोदीदास
 बाबरी
 27 मई 1980
 पं. नं. 40 का. 10. नि. 10
 स्थापन नं. 1000 का. 10. नि. 10
 उष. सी. 10. नि. 10





(16)

13. अतः यह विक्रय पत्र खूब रोज समझकर, सुनकर पढ़कर गवाहों की उपस्थिति में लिख दिया गया है कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवें।

प्रमाणित



मशानी अंगूठा)
अध्यक्ष (विक्रेता)

दिनांक 28/7/06

(हस्ता
फरीक)



गवाह नं० 1

गवाह नं० 2

श्री मनम पुत्र श्री मनम
निवासी मनम परगना व
तहसील दादरी
जिला गौलमुहम्मद

श्री मनम पुत्र श्री मनम
निवासी मनम परगना व
तहसील दादरी
जिला गौलमुहम्मद

तहरीर दिनांक 28.07.2006 मसौदाकर्ता तेजेन्द्र सिंह एडवोकेट गाजियाबाद ।

Tejendra Singh
Advocate
Ch. No-297, Civil Court
GHAZIABAD. (U.P.)

कायदालय उपाय व्यवस्थापक
 दादरी
 28/7/06
 पत्र सं. 265/06 को 28/7/06
 पत्र सं. 265/06 को 28/7/06
 उपाय व्यवस्थापक

कायदालय उपाय व्यवस्थापक 28/7/06 को कोर्ट में
 दादरी कायदालय उपाय व्यवस्थापक I कोर्ट में दादरी 161
 के पत्र सं. 265/06 को कोर्ट में दादरी 0950
 उपाय व्यवस्थापक 296 कोर्ट में दादरी

उपाय व्यवस्थापक
 दादरी



सेवा में,

शाखा प्रबन्धक

PNB

कलकत्ता

विषय . अनाधत्ती प्रमाण पत्र (एनओ सीओ) के सम्बन्ध में ,

नवोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिरफा
खाला सं 157 खसरा नं० 23 रकबा 5-35.83 दिवत ग्राम दुमियाई
परगना दौदरी तहसील 0-22-22-22 जिला डों/अखड़ा जिला मुझ
प्रार्थी को उपरोक्त भूमि, 50 उप्पल चढ़ा हाई टेक डेवलपर्स प्रा० लि० को देवना है ।
इस कारण कम्पनी को बैंक से अनाधत्ती प्रमाण पत्र (एनओ ओओ सीओ) की आवश्यकता
है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है ।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनाधत्ती प्रमाण पत्र (एनओ ओओ सीओ)
प्रदान करने की कृपा करें ।

धन्यवाद

प्रार्थी

पदमा 5/10-22-22

निवासी दुमियाई



जाति प्रमाण पत्र

प्रमाण पत्र संख्या
001710201150871598

1987

(उ0प्र0 अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन-जाति के लिए)

प्रमाणित किया जाता है कि श्री प्रहलाद दुरवार तहसील दादरी

पुन श्री धन्व निवासी गांव / नगर

उ0प्र0 राज्य की जाटव

जिला गीतमभुवनगर उ0प्र0 राज्य की जाटव
जाति के व्यक्ति है। जिसे संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950 ई0 जैसा कि समय-समय पर संशोधित हुआ।
संविधान (अनुसूचित जन-जाति उत्तर प्रदेश) आदेश 1987 के अनुसार अनुसूचित जाति / अनुसूचित जन-जाति के
रूप में मान्यता दी गई है।

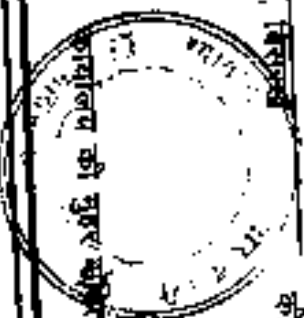
श्री प्रहलाद दुरवार तहसील दादरी जिला गीतमभुवनगर
तथा उनका परिवार उत्तर प्रदेश के गांव / नगर

में सामान्यतया रहता है।

यह प्रमाण-पत्र राजस्व निरीक्षक, गीतमभुवनगर की तसदीक पर जारी किया गया है।

स्थान दादरी

दिनांक 07-04-2005



राजस्व निरीक्षक
दादरी

04/09

भाग : 1

11/6/02
11/6/02
11/6/02

रुखाक्षर संकेत